भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 09
उत्तर देने की तारीख: 18.07.2022

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के आकलन हेतु कार्यक्रम

9. श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत गणित और विज्ञान साक्षरता का आकलन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम में भाग लेता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या अन्य देशों के साथ भारत की शैक्षिक स्थिति की तुलना करने के लिए कोई वैकल्पिक तंत्र उपलब्ध है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार का विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में उपलब्धियों में मौजूदा लैंगिक अंतराल पर डाटा एकत्रित करने का विचार है?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) भारत सरकार ने आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा आयोजित किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा) 2022 में भाग लेने का निर्णय लिया था। तथापि, भारत सरकार ने कोविड महामारी के प्रभाव और देश में लंबे समय तक स्कूल बंद रहने के कारण बच्चों के लिए तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पीसा 2022 में भारत की भागीदारी के मुद्दे पर फिर से विचार किया। इसके अलावा, उस समय तक बच्चों सहित 18 वर्ष से कम उम्र की आबादी का टीकाकरण शुरू नहीं किया गया था। साथ ही स्थिति का आकलन करने के लिए पूरे देश में 12/11/2021 को राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 के माध्यम से एक नमूना आधारित सर्वेक्षण किया गया था।

(ख) उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में, भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की शैक्षिक स्थिति के साथ-साथ अन्य देशों में एचईआई का मूल्यांकन कुछ प्रसिद्ध और विश्वसनीय रैंकिंग ढांचे के द्वारा वैश्विक/क्षेत्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के माध्यम से किया जाता है जैसे टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) रैंकिंग, क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, और शंघाई जिओ टोंग यूनिवर्सिटी, शंघाई द्वारा आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज की अकादमिक रैंकिंग (एआरडब्ल्यूयू) जून 2022 में जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में तीन भारतीय संस्थानों ने शीर्ष 200 में जगह बनाई।

(ग) उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) रिपोर्ट जारी करता है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जेंडर अंतराल की पहचान करने वाले डेटा एकत्र करता है और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन में डेटा संग्रहण परियोजनाओं की सहायता कर रहा है। इसके अलावा, भारत में 'विज्ञान में महिलाएं' पर अंतर-अकादमी पैनल - जिसमें भारत की तीन प्रमुख राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियां शामिल हैं; इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएएससी) बैंगलोर, द इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए), दिल्ली और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) इलाहाबाद ने 2016 में 'वीमेन इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी: ए विजन डॉक्यूमेंट' जारी किया था, जिसने एसटीईएम और संबद्ध क्षेत्रों में जेंडर अंतराल को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त किया। अध्ययन का लिंक: http://www.nasi.nic.in/report%20-%20women%20in%20science%20&%20technology%20-a%20vision%20document.pdf है।

इसके अलावा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) में डेटा संग्रहण परियोजनाओं में सहायता कर रहा है। डीएसटी ने एक "रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लांस 2019-20" नामक रिपोर्ट प्रकाशित की है जिसमें एसटीईएम क्षेत्र के अंतर्गत उपलब्धियों में मौजूद जेंडर अंतराल भी शामिल हैं।

****